

महिलाओं के लिये व्यापक टीकाकरण कार्यक्रम

स्रोत: द हिंदू

फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसायटीज़ ऑफ इंडिया (FOGSI) ने महिलाओं के लिये एक व्यापक टीकाकरण कार्यक्रम शुरू किया है जिसका उद्देश्य समग्र भारत में वयस्क नागरिकों को टीकाकरण के बारे में जागरूक करना है। चूंकपुषों की अपेक्षा, महिलाएँ 25% अधिक समय अस्वस्थता में जीवन नरिवाह करती हैं इसलिये इस पहल का उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ की गुणवत्ता में सुधार करना है।

- यह पहल महिलाओं की वैक्सीन-नवार्य रोगों (Vaccine-Preventable Diseases- VPD) से रक्षा करने की दशा में एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है।
 - VPD जीवाणु या वषाणु के कारण होते हैं और टीकों से इनकी रोकथाम की जा सकती है। इनके कारण दीर्घकालिक व्याधि और मृत्यु भी हो सकती है। चकिनपॉक्स, डपिथीरिया और पोलियोवायरस संक्रमण VPD के प्रमुख उदाहरण हैं।
- भारत सरकार ने देश में टीकाकरण कवरेज बढ़ाने के लिये दो व्यापक पहल की हैं।
 - यूनवरसल इम्यूनाइज़े शन प्रोग्राम (UIP) में 12 वैक्सीन-नवार्य रोगों के नदिन के लिये नःशुल्क टीकाकरण किया जाता है, जसिमें डपिथीरिया, परटुससि, टेटनस, पोलियो, खसरा, रूबेला, कषय रोग, हेपेटाइटस बी और ? के कारण होने वाले मेननिजाइटस तथा नमोनिया जैसी 9 राष्ट्रीय स्तर पर लक्षति बीमारियाँ शामिल हैं।
 - इसके अतरिकित, UIP के तहत टीकाकरण से छूटे बच्चों के टीकाकरण के लिये वर्ष 2014 में मशिन इंदरधनुष की शुरुआत की गई थी। इसके चार चरणों के माध्यम से 2.53 करोड़ से अधिक बच्चों और 68 लाख गर्भवती महिलाओं को जीवन रक्षक टीके लगाए गए।
- FOGSI स्वास्थ सेवाओं, प्रजनन संबंधी अधिकारों को बढ़ावा देने और मातृ मृत्यु दर को कम करने के माध्यम से भारत में प्रसूति तथा स्त्री रोग चकित्सकों का समर्थन करता है।

और पढ़ें: वैश्विक टीकाकरण पर WHO की रपिरट, आधुनिक टीकों की स्थायतिव की खोज